वैदिक शिक्षा परंपराः आधुनिक शिक्षा (NEP) 2020 का विश्लेषण

21

आंचल अग्रवाल

सारांश

भारतीय शिक्षा परंपरा का इतिहास अत्यन्त समृद्घ रहा है। वैदिक काल में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जिन नहीं बल्कि आत्मज्ञान और जीवन मूल्यों का विकास था।

भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)2020 लागू की है। यह शिक्षा मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा डिजिटल माध्यमों का प्रयोग अनुसंधान को प्रोत्साहन और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाना इसके प्रमुख पहलू हैं।

इस शोध पत्र में वैदिक शिक्षा परंपरा और NEP 2020 का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। दोनों का साझा उद्देश्य मानव का समग्र विकास है किन्तु साधन और पद्धति समयानुसार परिवर्तन हुए हैं। वैदिक शिक्षा आत्मज्ञान और संस्कृति पर केन्द्रीत थी। जबकि NEP 2020 आधुनिक आवश्यकताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर है।

मुख्य शब्द– *भारतीय शिक्षा परंपरा, वैदिक शिक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, आत्मज्ञान, भारत सरकार।*

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति में शिक्षा को सदायव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था की जडें वैदिक काल में निहित हैंए जो मानव इतिहास की सर्वोधिक प्राचीन और सुगठित ज्ञान परंपराओं में से एक मानी जाती है। वैदिक काल दो भागों में प्रारंभिक वैदिक काल (1500 ईसा पूर्व – 1000 ईसा पूर्व) तथा उत्तर वैदिक काल (1000 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व) में विभाजित है। (arahant gsp book 2021)

इस शिक्षा व्यवस्था का संचालन गुरुकुल प्रणाली के माध्यम से होता था जहाँ गुरु और शिष्य का सम्बन्ध केवल अध्यापक–विद्यार्थी का नहीं बल्कि जीवन–मार्गदर्शक का होता था।

वर्तमान समय में शिक्षा की चुनौतियाँ बदल चुकी हैंए तकनीकी प्रगति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और रोजगारोन्मुख दृष्टिकोण ने शिक्षा को नए आयाम दिए हैं।

आंचल अग्रवाल
एम.ए., राजनीति विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली
Publisher: Anu Books, DOI: https://doi.org/10.31995/Book.AB356-A26. Ch.21
Book Name : भारतीय ज्ञान परम्परा और सामाजिक विज्ञान
Plagiarism Report: 06%

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP 2020 लागू की है। (government of India 2019)

इसका उद्देश्य समावेशी शिक्षा, लचीला, डिजिटल माध्यमों का प्रयोग, अनुसंधान को प्रोत्साहन व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाना तथा कौशल–आधारित बनाना है।

इस प्रकार वैदिक शिक्षा आत्मज्ञान और संस्कृति पर केन्द्रीत थी NEP 2020 आधुनिक आवश्यकताओं, मानव जीवन के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

वैदिक शिक्षा परंपराः एक परिचय

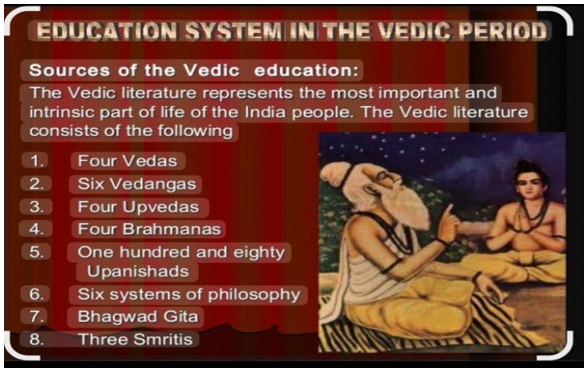

वैदिक शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं बल्कि व्यक्ति के नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास को सुनिश्चित करना था। इस प्रणाली का मूल स्वरूप गुरु–शिष्य परंपरा पर आधारित था। (altekar 1944)

वैदिक ग्रन्थों में शिक्षा को ''सत्य के अन्वेषण'' तथा ''धर्म के पालन'' से जोड़ा गया है। इस काल में ज्ञान को आध्यात्मिक उन्नति और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों का माध्यम माना गया (Radhakrishnan 1953)। शिक्षा का मूल आधार था ''सत्यं वदए धर्म चरा'' अर्थात सत्य बोलो और धर्म का पालन करो. (तैत्तिरीय उपनिषद)

गीता के श्लोक भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं:

''विद्या विनयसम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि।
शुनि चैव श्वपयाके च पण्डिताः सम दर्शन।।'' (गीताए 5.18)

अर्थात विद्वान व्यक्ति ब्राह्मणए गायए हाथी, कुत्ते और चाण्डाल में समान दृष्टि रखता है। यह श्लोक शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को दर्शाता है–सम्मताए विनय और व्यापक दृष्टिकोण।

वैदिक शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यः

1. चरित्र निर्माणः शिक्षा का मूल लक्ष्य नैतिक व्यक्तित्व का विकास।

2. आत्म विकासः आत्मज्ञान एवं आध्यात्मिक उन्नति।

3. समाजोप्योगिताः शिक्षित व्यक्ति समाज के प्रति उत्तरदायी बने।

4. समग्र शिक्षाः बौद्धिक शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक सन्तुलन।

अध्ययन की विषयवस्तुः.

वैदिक काल में केवल धार्मिक ज्ञान ही नहीं बल्कि

1. गणित
2. खगोल विज्ञान
3. चिकित्सा
4. धनुविद्या
5. दर्शन
6. भाषा एवं व्याकरण का भी अध्ययन कराया जाता था।

ज्ञान का प्रमुख स्त्रोत वेद थे। (righved)

वैदिक शिक्षा प्रणाली की विशेषताएंः.

1. गुरु–शिष्य सम्बन्धः गुरु केवल अध्यापक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और जीवन–निर्माता होते थे। शिक्षा व्यक्तिगत होती थी।

2. अनुभवात्मक शिक्षा (Experiential learning): शिक्षा जीवन से जुड़ी होती थी...काम करते हुए सीखना। शिक्षा का व्यक्तिगत परीक्षण होता था।

3. मूल्य आधारित शिक्षाः सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, सेवा जैसे मूल्यों पर बल।

4. बहुविषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोणः विज्ञान, दर्शन, कला और कौशल का समन्वय।

5. प्रकृति के साथ सामंजस्यः आश्रम व्यवस्था में प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा दी जाती थी। जिससे व्यक्ति प्राकृति का आदर करें और प्राकृति को महत्व पूर्ण समझें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020: एक परिचय

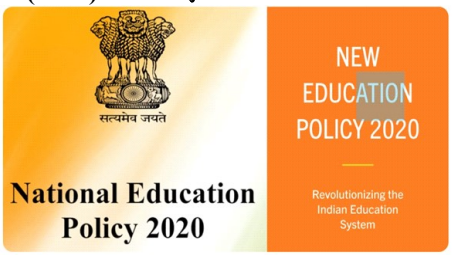

भारत सरकार ने 29 जुलाई 2020 को नई शिक्षा नीति लागू की, जो 34 वर्षों बाद शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार का प्रयास है। इसका उद्देश्य 21वीं सदी की शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और कौशल–आधारित बनाना है। इसमें संरचनाए मातृभाषा में

प्रारंभिक शिक्षा, डिजिटल माध्यमों का प्रयोग, अनुसंधान को प्रोत्साहन और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने पर बल दिया गया है। (government of India, 2019)

नई शिक्षा नीति अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning), समस्या–समाधान क्षमताए रचनात्मकता तथा व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देती है। इसमें "Learning by Doing" की अवधारणा को अपनाया गया है, जिससे विद्यार्थी वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में ज्ञान का प्रयोग करना सीख सके। (NCERT, 2019)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने NEP 2020 के संदर्भ में कहा था:

''अब तक हमारी शिक्षा नीति 'क्या सोचता है' पर केन्द्रीत थी, लेकिन नई नीति 'कैसे सोचता है' पर ध्यान देती है।''

यह कथन स्पष्ट करता है कि NEP 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है।

गीता का श्लोक

शिक्षा के उद्देश्य को गीता में श्रीकृष्ण ने इस प्रकार समझाया है:

''कर्मण्येव अधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफल हेतुर्भूमा ते संशोस्त अकर्मणि।।'' (गीता 2.47)

अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिन्ता नहीं करनी चाहिए। यह श्लोक शिक्षा के आधुनिक दृष्टिकोण से भी जुड़ता है—विद्यार्थी को केवल परीक्षा परिणाम या नौकरी की चिन्ता नहीं करनी चाहिए, बल्कि सीखने और कर्म करने की प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए।

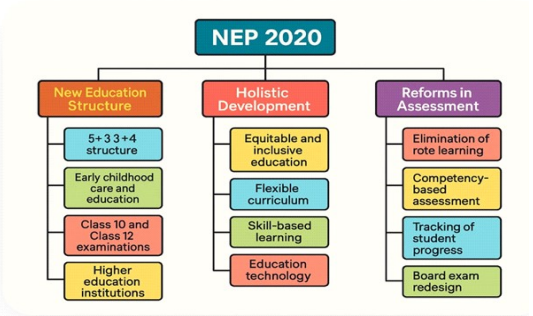

नई शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताएं:.

1. समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा: NEP 2020 में Arts, Science, Vocational विषयों के बीच की दीवारों हटाने की बात की गई है.. यह वैदिक शिक्षा की समन्वयित दृष्टि से मेल खाती है।

2. मूल्य एवं नैतिक शिक्षा पर बलः नीति में "Ethics, Constitutional Values, Indian Knowledge Systems" को शामिल किया गया है।

3. अनुभवात्मक एवं कौशल आधारित शिक्षाः Learning by Doing, Critical Thinking, Problem Solving पर जोर— जो वैदिक पद्धति का ही आधुनिक रूप है।

4. मातृभाषा में शिक्षाः प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देने की अनुशंसा— वैदिक काल में भी शिक्षा स्थानीय भाषा के संदर्भ में दी जाती थी।

5. भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेशः योग, आयुर्वेद, दर्शन, संस्कृति, पर्यावरण चेतना आदि को पाठ्यक्रम में शामिल करना।

6. शिक्षक को "Facilitator" के रूप में पुनस्थापित करनाः यह वैदिक गुरु की भूमिका का आधुनिक रूप है।

वैदिक शिक्षा और NEP 2020: तुलनात्मक विश्लेषण

S. No	Object	वैदिक शिक्षा परंपरा	NEP2020
1	**शिक्षा का उद्देश्य**	वैदिक शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति का चरित्र निर्माण, आत्मानुभूति तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास था। (Altekar 1944)	NEP 2020 भी शिक्षा को केवल रोजगारोन्मुख नहीं बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ती है। (Government of India 2020)
2	**समग्र (Holistic) शिक्षा**	वैदिक शिक्षा में बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक विकास का सन्तुलन था। (Sharma 2002)	NEP 2020 भी Holistic Development पर बल देती है, जिसमें भावनात्मक बुद्धिमाता, रचनात्मकता और कौशल विकास शामिल हैं। (Kapur 2018)
3	**बहुविषयक शिक्षा**	वैदिक काल में शिक्षा केवल धार्मिक ग्रन्थों तक सीमित नहीं थी—गणित, खगोल, चिकित्सा, भाषा, संगीत आदि भी पढ़ाए जाते थे। (NCERT2019)	NEP 2020 भी Multidisciplinary Education को बढ़ावा देती है। (Government of India 2020)
4	**शिक्षण पद्धति**	वैदिक शिक्षा 'श्रवण–मनन–निदिध्यासन' तथा व्यावहारिक अभ्यास पर आधारित थी। (Altekar 1944)	NEP 2020 Experiential Learning, Critical Thinking और Problem Solving पर आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करती है। (Government of India 2020)
5	**गुरु की भूमिका**	वैदिक प्रणाली में गुरु जीवन–मार्गदर्शक और व्यक्तित्व निर्माता होते थे। (Radhakrishnan 1953)	NEP 2020 में शिक्षक को Facilitator और Mentor के रूप में देखा जाता है। (Government of India 2020)
6	**भाषा और माध्यम**	वैदिक शिक्षा स्थानीय भाषा में दी जाती थी जिससे ज्ञान सहज रूप से आत्मसात होता था। (Sharma 2002)	NEP 2020 भी मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर बल देती है। (Government of India 2020)
7	**मूल्य–आधारित शिक्षा**	वैदिक शिक्षा सत्यए अनुशासनए आत्मसयंय और धर्म पर आधारित थी। (Radhakrishnan 1953)	NEP 2020 में नैतिक शिक्षा, संविधानीय मूल्य, पर्यावरण चेतना और वैश्विक नागरिकता को शामिल किया गया है। (Kapur 2018)

समापन

तुलनात्मक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि NEP 2020 पूरी तरह नई व्यवस्था नहीं है। बल्कि यह वैदिक शिक्षा के मूल सिद्धान्तों का आधुनिक रूप है। यह परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सेतु का कार्य करती है, जो भारतीय ज्ञान विरासत को वैश्विक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने का प्रयास है।

संदर्भ

1. Easwaran, E. (2007). *The Bhagavad Gita* (2nd ed.). Nilgiri Press.
2. Altekar, A. S. (1944). *Education in Ancient India*. Nand Kishore & Bros.
3. Government of India. (2020). *National Education Policy 2020*. Ministry of Education.
4. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
5. Radhakrishnan, S. (1953). *The Principal Upanishads*. Harper & Brothers.
6. Kapur, R. (2018). *Indian Knowledge System and Education*. University of Delhi.
7. National Council of Educational Research and Training (NCERT). (2019). *Ancient India (Class XI)*. NCERT.
8. Easwaran, E. (2007). *The Bhagavad Gita* (2nd ed.). Nilgiri Press.
9. Sharma, R. S. (2002). *India's Ancient Past*. Oxford University Press.
10. Government of India. (2019). *Draft National Education Policy 2019*. Ministry of Human Resource Development.
11. Basham, A. L. (1967). *The Wonder That Was India*. Sidgwick & Jackson.
12. Mukherjee, S. N. (1966). *Education in India: History and Problems*. Baroda Publications.
13. Thapar, R. (2002). *Early India: From the Origins to AD 1300*. Penguin Books.
14. Vivekananda, S. (1907). *Education*. Advaita Ashrama.
15. Tagore, R. (1917). *My School*. Macmillan.
16. UNESCO. (2015). *Rethinking Education: Towards a Global Common Good?* UNESCO Publishing.
17. Ministry of Human Resource Development. (2018). *Some Inputs for Draft National Education Policy 2016*. Government of India.
18. Brubaker, N. D. (2012). *Faithful Pedagogy: Teaching as a Spiritual Practice*. Cascade Books.
19. Olivelle, P. (1998). *The Early Upanishads: Annotated Text and Translation*. Oxford University Press.

20. Mahajan, V. D. (2009). *Ancient India*. S. Chand & Company.
21. Chaube, S. P. (2004). *History and Problems of Indian Education*. Vinod Pustak Mandir.
22. Tilak, J. B. G. (2009). Education and Development. *Journal of Educational Planning and Administration*, 23(2), 113–135.
23. Yadav, S. K. (2014). Vedic Education System in India. *International Journal of Research in Social Sciences*, 4(5), 1–8.
24. Mishra, R. C. (2005). *Tribal Education in India*. Concept Publishing Company.
25. Srivastava, M. (2010). Education in Ancient India: Gurukul System. *International Journal of Educational Research and Technology*, 1(1), 55–60.
26. Pattanaik, D. (2019). *My Gita*. Rupa Publications.
27. Kochhar, S. K. (2000). *Methods and Techniques of Teaching*. Sterling Publishers.
28. Aggarwal, J. C. (2010). *Landmarks in the History of Modern Indian Education*. Vikas Publishing House.
29. Singh, R. P. (2008). *Ancient Indian Education: Brahmanical and Buddhist*. Motilal Banarsidass Publishers.
30. Saraswathi, T. S. (1999). *Culture, Socialization and Human Development*. Sage Publications.
31. Mukherjee, R. (1951). *The Culture and Art of India*. George Allen & Unwin.
32. Naik, J. P., & Nurullah, S. (1974). *A Student's History of Education in India (1800–1973)*. Macmillan India.
33. Pinterest. (n.d.). Education System in India. Retrieved February 22, 2026, from http://www.pinterest.com/
34. LinkedIn. (n.d.). Education System in India. Retrieved February 22, 2026, from http://www.pinterest.com/
35. Edhitch: AI-driven paper. https://www.ethics.com